हिन्दुस्तान
लखनऊ LIVE

युवा

बच्चे सांप सीढ़ी से गणित तो खेल-खेल में पढ़ रहे हिन्दी की वर्णमाला

सिटी

शहर में दिवाली पर कई जगह मेले लगे हैं जहां खूब खरीदारी हो रही है

सिटी स्पोर्ट्स

गैलेक्सी टूर्नामेंट में अक्षदीप की गेंदबाजी से अखिल इंफ्रा फाइनल में

सोमवार , 21 अक्टूबर 2019
www.livehindustan.com

गोमतीनगर में हुआ अनूठा प्रयोग, वैज्ञानिक का दावा कि पेड़ को पानी और जरूरी तत्व मिलने लगे

जर्जर पेड़ों को पेंट किया तो निकलने लगे कल्ले

लखनऊ | **प्रमुख संवाददाता**

गोमतीनगर के कई पेड़ जर्जर हो गए थे। सुधार के लिए एक वैज्ञानिक प्रयोग हुआ। पौधों को साफ-सुथरा कर पेंट किया गया। महज 15 दिनों में पेड़ों में नए कल्ले निकल आए।

गोमतीनगर स्थित राजीव गांधी वार्ड के राम भवन चौराहे पर लगभग 110 मीटर लम्बे साइकिल पथ के किनारे लगे पेड़ों में रोग लग गया था। तने खोखले हो गए थे। कभी भी गिर सकते थे। वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक प्रो. भरत राज सिंह की सलाह पर क्षेत्रीय पार्षद अरुण तिवारी और स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के सदस्यों ने एकजुटता दिखाई।

प्रयोग के तौर पर 50 मीटर लम्बाई में लगे पेड़ों की तनों की छालों को साफ किया गया। बालू और ग्रैवल डाला गया। साइकिल पथ के दोनों तरफ घास और हेज लगाकर खूबसूरत बनाया गया। तनों के खोखले हिस्सों में एण्टीट्रमाईटड ट्रीटमेन्ट कराया।

इसके बाद प्राइमर और पेंट से चित्रकारी हुई। पेड़ों के स्वरूप में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। महज 15 दिन में पेड़ों की तनों से नए कल्ले निकलने लगे।

विदेश से ली प्रेरणा: प्रो.भरत राज सिंह

वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक प्रो. भरतराज सिंह का कहना है कि सुंदरीकरण का ऐसा प्रयोग विदेशों में हुआ है। आस्ट्रेलिया के सिडनी और फ्रान्स में उन्होंने इस तरह का प्रयोग देखा है। इससे पेड़ों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। हमारे देश में भी चूना और गेरू से पेड़ों की पुताई होती रही है। उनका कहना है कि पेड़ों के तने खोखले होने या रोग लगने से जड़ों से पत्तियों तक जो पानी पहुंचता है उसमें वाष्पीकरण होने लगता है। इससे पेड़ों को पर्याप्त मात्रा में जरूरी तत्व नहीं मिल पाते हैं। पेन्ट करने से जड़ों से पेड़ की टहनियों और पत्तों तक बिना वाष्पीकरण के प्रर्याप्त मात्रा में पानी और अन्य जरूरी तत्व पहुंचने लगते हैं। इससे पौधों के विकास में गति आती है।